टिकाऊ कृषि एवं समवर्गी विज्ञान के विभिन्न पहलूओं पर अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन कल से

उदयपुर1 दिसम्बर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर आस्था फाउण्डेशन, मेरठ, चन्द्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर एवं एस.एस.डी.ए.टी. संस्था, मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में टिकाऊ कृषि एवं समवर्गी विज्ञान के विभिन्न पहलूओं पर तीन दिवसीय अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 2 से 4 दिसम्बर 2017 को राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर में किया जा रहा है।

कार्यक्रम सचिव डॉ. पी. बी. सिंह, सहायक प्राध्यापक, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर ने बताया कि इस अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 500 वैज्ञानिक, शोघार्थी छात्र एव ंकिसान भाग लेंगे। तीन दिवसीय अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों जैसे– फसल गुणवता के लिए अभिनव प्रौद्योगिकी, जैवप्रौद्योगिकी एवं आनुवांशिकी अभियांत्रिकी, जैवविविधता एवं आईपीआर मुद्दे एवं चुनौतियां, वैश्विक जलवायु परिवर्तन परिदृश्य और खाद्य सुरक्षा, रोग और कीट प्रबंधन में नई सीमाएं, खाद्य प्रसंस्करण मूल्य संवर्धन और कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी, लाभदायक कृषि की नीतियां और अर्थशास्त्र, फसल प्रणाली एवं स्वदेशी तकनीकी ज्ञान, भौतिक, रासायनिक और जैविक विज्ञान की एकीकृत पद्वति, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, पश ुस्वास्थ्य, पशुपालन एवं दुग्ध प्रौद्योगिकी आदि विषयों पर अनुसंधान पत्रों का वाचन एवं पोस्टर सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विरेन्द्र नेपालिया, विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान विभाग, आरसीए, उदयपुर ने बताया कि इस अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन समारोह 2 दिसम्बर 2017 को दोपहर 2 बजे राजस्थानकृषिमहाविद्यालय, उदयपुर के सभागार में होगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. आर.एस कुरील, निदेशक, कृषि एवंकिसान कल्याण मंत्रालय, भारतसरकार, नईदिल्ली होगें तथा समारोह की अध्यक्षता एमपीयूएटी, उदयपुर के कुलपति डॉ. उमा शंकर शर्मा करेंगे। इस समारोह में डॉ. जे. पी. शर्मा, कुलपति, एम.एल. एस.यू., उदयपुर, डॉ. आई.एस सोलंकी, सहायक महानिदेशक, एफएफसी, आईसीएआर, नईदिल्ली एवं डॉ. पी के राय, निदेशक, आईसीएआर–सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर विशिष्ट अतिथि होगें।